रिसर्च | पंजाब पब्लिक स्कूल नाभा में चल रही आईसीटी कॉनक्लेव में संस्कार वैली स्कूल भोपाल के स्टूडेंट्स ने कैप का मॉडल पेश किया

स्टूडेंट्स ने दृष्टिहीनों के लिए बनाई कैप, सेंसर दिखाएगा रास्ता

अमित शुक्ला | पटियाला

दृष्टिहीन लोग कैप की मदद से देख सकेंगे। ऐसी उम्मीद दिखाई है संस्कार वैली स्कूल, भोपाल के 10वीं के 4 स्टूडेंट्स विवान पाठक, दिव्यांश शाह, संजीव लखवानी और वैदिक ने। पंजाब पब्लिक स्कूल नाभा में चल रही 4 दिन की आईसीटी कॉनक्लेव में संस्कार वैली के इन स्टूडेंट्स ने दृष्टिहीनों के लिए ऐसी ही एक कैप का मॉडल पेश किया है। स्टूडेंट्स की मानें तो कैप के इस्तेमाल से उनको स्टिक की जरूरत नहीं पड़ेगी। कैप से ही वह दुनिया देख सकेंगे। स्टूडेंट्स के साथ उनकी टीचर स्वेशा डोगरा भी आई हैं।

स्टूडेंट्स के मुताबिक कैप में लगे सेंसर से वेव्स निकलेंगी। 1.5 मीटर की दूरी पर कोई भी चीज होगी तो वेव्स वहां से टकराकर सेंसर तक लौटेंगी। इसके बाद कैप में लगा अलार्म बजेगा। इससे दृष्टिहीन को पता चल जाएगा कि सामने कुछ है। दूरी घटने-बढ़ने पर अलार्म तेज-कम होगा। फिलहाल जो मॉडल बनाया है, उसकी मदद से केवल समाने आने वाली चीज की सूचना मिलेगी। कैप को 360 डिग्री के हिसाब से मॉडीफाई किया जा सकता है। इसके लिए प्रोग्रामिंग को चेंज करना होगा। बच्चों के मुताबिक अभी बनाए गए मॉडल पर करीब 700 रुपए खर्च आया है। अगर बल्क में इसका प्रोडक्शन हो तो कीमत घट सकती है। कॉनक्लेव में कैप की सराहना वहां मौजूद लोगों ने की। उन्होंने बताया, कैप को बनाने में उनको 7 दिन का समय लगा। इसे बनाने में उन्होंने पढ़ाई के अलावा तीन घंटे से ज्यादा का समय रोज दिया था।

1.5 मीटर दूर कोई रुकावट है तो सेंसर अलार्म बजा देगा।

700 रुपए का खर्चा आया है कैप का मॉडल बनाने पर

07 दिन लगातार रोजाना तीन घंटे वर्क कर कैप बनाई गई

ऐसी है कैप | ▪ बैटरी की बजाय 20 हजार एमएचए का पॉवर बैंक साथ रखने पर एक महीने तक कोई दिक्कत नहीं आएगी। ▪ 1.5 मीटर तक की दूरी पर अगर कोई चीज है तो अलार्म बजेगा। 40 सेमी. दूर कोई चीज होगी तो अलार्म तेज हो जाएगा। ▪ पावर बैंक से बैटरी निकालने-लगाने और ऑन-ऑफ का झंझट नहीं रहेगा।

मॉडीफाई भी हो सकती

कैप से केवल सामने ही देखा जा सकता है, क्योंकि सेंसर सामने लगा है। अगर सेंसर चारों तरफ लगाते हैं, तो किसी भी तरफ 1.5 मीटर की दूरी पर जो भी चीज होगी, पता चल जाएगा। इसे मॉडीफाई करके रिस्ट बैंड, नी कैप, स्टिक्स, व्हीलचेयर में भी लगा सकते हैं। इससे कैप के अलावा अन्य विकल्प होंगे।

स्टूडेंट्स विवान, दिव्यांश, संजीव और वैदिक ने कैप बनाई।